

प्रेषक,

ओम प्रकाश,  
अपर मुख्य सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
प्राविधिक शिक्षा उत्तराखण्ड,  
श्रीनगर, पौड़ी गढ़वाल।

प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा अनुभाग-1  
2017

देहरादून: दिनांक: 18 जुलाई,

विषय: वित्तीय वर्ष 2017-18 में प्राविधिक शिक्षा निदेशालय के वेतन भत्तों आदि के भुगतान हेतु  
आय- व्ययक में प्राविधानित धनराशि को अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-610/3(150)/XXVII(II)/2017 दिनांक 30.06.2017 एवं शासनादेश संख्या-541/XLI-1/2017-26/17 दिनांक 03.05.2017 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय उक्त योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2017-18 के आय-व्ययक में प्राविधिक शिक्षा निदेशालय एवं सामान्य पॉलीटैक्निक हेतु प्राविधानित धनराशि क्रमशः 19542 हजार, ₹0 856526 हजार अर्थात् कुल ₹0 876078 हजार में से लेखानुदान की धनराशि को घटाते हुए अवशेष धनराशि क्रमशः ₹0 9326 हजार, ₹0 386155 हजार अर्थात् कुल ₹0 395481 हजार (रुपये उन्तालिस करोड़ चौवन लाख इक्यासी हजार मात्र) को निम्न लिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन संलग्न विवरण के अनुसार नियमानुसार व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. उक्त धनराशि का व्यय करते हुए उक्त संदर्भित शासनादेश दिनांक 30.06.2017 में वित्त विभाग द्वारा दिये गये निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जायेगा।
2. उक्त शासनादेश दिनांक 30.06.2017 के प्रस्तर-11 के प्राविधानानुसार आवचनबद्ध मदों की आवश्यकताओं को बजट प्राविधान की सीमा तक ही सीमित रखते हुए धनराशि का व्यय किया जाएगा।
3. उक्त धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, कि जिसे व्यय करने से पूर्व बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका अथवा मूल आदेशों के अधीन सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक हो। ऐसी स्थिति में सक्षम अधिकारी की स्वीकृति व्यय के पूर्व प्राप्त कर ली जायेगी तथा धनराशि माहवार आवश्यकतानुसार ही आहरित की जायेगी।
4. स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय आवंटित सीमा तक उसी मद के लिए किया जायेगा, जिसके लिए यह स्वीकृति दी जा रही है।
5. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण आवश्यक मदों हेतु ही किया जायेगा तथा व्यय में मितव्ययता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये समस्त शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जायेगा।
6. फर्नीचर व उपकरणों आदि का क्रय पदधारकों हेतु नियमानुसार निर्धारित मानक के अनुसार ही किया जायेगा।
7. कम्प्यूटर आदि क्रय के पूर्व एन.आई.सी./आई.टी. विभाग की नियमानुसार संस्तुति प्राप्त कर ली जायेगी।

8. फर्नीचर/उपकरण /कम्प्यूटर आदि के आवंटन के समय पदधारकों को नियमानुसार अनुमन्यता एवं न्यूनतम आवश्यकता का परीक्षण कर लिया जाएगा।
  9. उपकरणों/निर्माण सामग्री क्रय करने हेतु मानकों तथा उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 एवं इस संबंध में समय-समय पर निर्गत आदेशों का पालन कड़ाई से किया जाए।
  10. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2018 तक उपयोग करके कार्य की वित्तीय प्रगति का विवरण प्रत्येक माह निर्धारित प्रपत्र पर शासन को प्रस्तुत कर दिया जाएगा।
- 2— इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 में आय-व्यय के 'अनुदान संख्या-11' के लेखाशीर्षक संख्या-"2203-तकनीकी शिक्षा-00-001-निदेशन तथा प्रशासन-00-03-प्राविधिक शिक्षा निदेशालय तथा लेखाशीर्षक "2203-तकनीकी शिक्षा-00-105-बहुशिल्प (पॉलीटैक्निक) विद्यालय-00-03-सामान्य पॉलीटैक्निक" के मानक मदों के नामें डाला जायेगा।
- 3— यह आदेश शासनादेश संख्या 183/XXVII-1/2012 दिनांक 28.03.2012 द्वारा विहित व्यवस्था के क्रम में [www.cts.uk.gov.in](http://www.cts.uk.gov.in) से सॉफ्टवेयर के माध्यम से उपरोक्त स्वीकृति/बजट आवंटन हेतु निर्गत विशिष्ट नम्बर/अलॉटमेंट आई.डी. संलग्नक-1 के अन्तर्गत तथा वित्त विभाग के उक्त शासनादेश दिनांक 30.06.2017 के द्वारा प्राप्त दिशानिर्देशों के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।
- संलग्न यथोपरि।

भवदीय,  
(ओम प्रकाश)  
अपर मुख्य सचिव।

संख्या एवं दिनांक उपरोक्त।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. महालेखाकार, ऑडिट, उत्तराखण्ड इन्दिरा नगर, देहरादून।
3. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. समस्त मुख्य कोषाधिकारी/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. समस्त प्रधानाचार्य, राजकीय पॉलीटैक्निक, उत्तराखण्ड, द्वारा (निदेशक)।
6. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
7. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
8. राज्य योजना आयोग, सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,  
(जी.एस. बिष्ट)  
उप सचिव।